सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 78 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 अप्रैल, 2022



बिना किसी शक के मशीनों ने समृद्ध आलसियों की संख्या बहुत अधिक बढ़ा दी है।
-कार्ल मार्क्स



कोरोना से मृत्यु पर अनुग्रह राशि भुगतान के... 2 | उत्तराखंड में चंपावत सीट को बचाए... 3 | समाज में नफरत का एजेंडा चला... 7

# तो आजम-शिवपाल के जरिए अखिलेश को किनारे लगाने की तैयारी कर रही भाजपा !

» सियासी गलियारों में आजम और शिवपाल के मिलकर नयी पार्टी बनाने की चर्चा गर्म

» ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मोर्चा बनाने की भी अटकलें तेज

» सपा के पक्ष में मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण को तोड़ने का तैयार किया गया प्लान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने ऑपरेशन अखिलेश चल दिया है। वह सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव के जरिए न केवल अखिलेश यादव को किनारे लगाने बल्कि विधान सभा चुनाव में सपा के पक्ष में एकतरफा पड़े मुस्लिम वोटों को लोक सभा चुनाव से पहले तोड़ने की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में आज प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव की सीतापुर जेल में आजम खां से हुई मुलाकात ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। सूत्रों का कहना है कि ये मुलाकात यूं ही नहीं हुई है। शिवपाल, भाजपा में शामिल न होकर आजम खां के साथ मिलकर नयी पार्टी बनाएंगे, जिसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के भी शामिल होने की संभावना है। इसके पहले शिवपाल सीएम योगी से मुलाकात कर चुके हैं।

सूत्रों का कहना है कि विधान सभा चुनाव में सपा को मुस्लिमों के मिले एकतरफा वोट से भाजपा घबरा गयी है और अब वह आजम और शिवपाल यादव के जरिए अखिलेश की घेराबंदी कर रही है। भाजपा चाहती है कि लोक सभा चुनाव में मुस्लिम सपा को एकतरफा वोट नहीं करें। इसके लिए भाजपा ने ब्लूप्रिंट तैयार किया है। आजम खां को बताया गया कि यदि जेल से बाहर रहना है तो वही करना होगा जैसा भाजपा चाहती है। दरअसल, आजम खां पर करीब 72 केस हैं। कई साल से वे जेल में हैं। 71 केस में जमानत हो चुकी है। एक केस में अभी जमानत नहीं मिली है। आजम को उम्मीद थी वे जेल से बाहर आ जाएंगे लेकिन उनके करीबियों को संदेश भेजा गया कि मुकदमों की एक और लिस्ट तैयार है। जेल के बाहर आते ही ये मुकदमे उनका इंतजार कर रहे हैं। आजम भी यह जान चुके हैं कि जब सरकार उन पर बकरी चोरी का आरोप लगा सकती है तो अन्य आरोप भी लगा सकती है। जेल में उनकी दुर्दशा हो चुकी है। उनकी एक तस्वीर भी वायरल हुई है जिसमें वे काफी बीमार नजर आ रहे हैं। उनके पूरे परिवार को जेल भेजा गया था। ऐसे में उनका परिवार टूट चुका है। एक सही मौके की तलाश थी और यह मौका तब मिला जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद नेता प्रतिपक्ष बन गए। इससे साफ हो गया कि अब कमान अखिलेश खुद संभालेंगे। सपा में भी यह चर्चा है कि अखिलेश जिस छवि के साथ पार्टी को आगे बढ़ाना चाहते हैं उसमें शिवपाल और आजम खां लोडर की तरह है। जब बाहुबल की बात आती है तो शिवपाल यादव और जब मुस्लिमपरस्ती की बात आती है तो आजम का नाम सामने आ जाता है। बात सही भी है लेकिन देश की राजनीति एक नयी दिशा की ओर बढ़ चुकी है। आरएसएस और भाजपा ने यह साबित कर दिया है कि अब सियासी मंच पर मुस्लिमों की बात खुलेआम करना भारी पड़ेगा। हिंदू-मुस्लिम के बीच गैप बढ़ रहा है। यही कारण है कि अखिलेश यादव विधान सभा चुनाव के दौरान खुलकर मुस्लिमों के मुद्दे उठाने से बचते दिखे। उनके जिन्ना वाले बयान को भाजपा ले उड़ी थी और जमकर निशाना साधा था। अखिलेश भी समझ रहे हैं कि अब पुरानी वाली स्थिति नहीं है। देश दो विचारधाराओं में बंट चुका है। अखिलेश के सामने एक ओर कुआं तो दूसरी ओर खाई वाली स्थिति है। उन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप भी सपा के कई मुस्लिम नेताओं ने लगाया है। देखना यह है कि सपा प्रमुख इस नई चुनौती से कैसे निपटेंगे।

## सीएम योगी से मुलाकात कर चुके प्रसपा प्रमुख आज सीतापुर जेल में मिले आजम खां से



## भाजपा की रणनीति

सूत्रों के मुताबिक भाजपा चाहती है कि शिवपाल को पार्टी में शामिल करने से बेहतर है कि ओवैसी, आजम खां और शिवपाल एक मंच पर आ जाएं। एक पार्टी बना लें या ओवैसी की पार्टी में शामिल हो जाएं अगर ओवैसी अलग भी रहते हैं तो कम से कम आजम खां और शिवपाल एक पार्टी बना लें अगर ऐसा होता है तो लोक सभा चुनाव में भाजपा को मदद मिल जाएगी। भाजपा इस बात को लेकर चिंतित है कि जितनी सीटें विधान सभा चुनाव में अखिलेश यादव को मिली हैं अगर इनका प्रतिशत निकाले तो यह लोक सभा में 20 से 22 सीटें होती हैं। भाजपा पिछली बार के लोक सभा चुनाव में जीती सीटों से एक भी कम करने को तैयार नहीं है। सपा का 12 प्रतिशत वोट बढ़ना उसके लिए खतरे की घंटी है। यह वोट प्रतिशत तब कम होगा जब मुस्लिम वोट विभाजित हो जाएं।

## अखिलेश के सामने बड़ी चुनौती

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने बड़ी चुनौती यह है कि यदि वे मुस्लिमों के मुद्दे पर खुलकर बोलेंगे तो हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण होगा और अगर नहीं बोलते हैं तो मुस्लिम समुदाय में गलत संदेश जाएगा। अखिलेश यह भी जानते हैं कि अगर वे शिवपाल यादव को पार्टी में लेते हैं तो समस्या उत्पन्न होगी। शिवपाल संगठन के माहिर खिलाड़ी हैं। इससे शिवपाल का कद पार्टी में बढ़ सकता है जो अखिलेश के लिए चुनौती बन सकती है। पहले भी ऐसा हो चुका है। ऐसे में अखिलेश दोबारा यह खतरा नहीं लेना चाहते हैं। शिवपाल भी इस बात को समझ रहे हैं कि उनके पास अखिलेश के साथ बहुत दूर तक चलने का रास्ता नहीं बचा है। यही कारण है जब आगरा में अखिलेश से शिवपाल के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जो भाजपा के साथ है वह हमारे साथ नहीं है और जब शिवपाल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश को मुझसे दिक्कत है तो वह हमें पार्टी से निकाल क्यों नहीं देते हैं।



## ऑपरेशन जयंत पर भी फोकस

सूत्रों का कहना है कि भाजपा जल्द ही ऑपरेशन जयंत पर भी काम करने जा रही है। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को तोड़ने के लिए भाजपा प्लान तैयार कर रही है। सपा ने रालोद के साथ मिलकर विधान सभा चुनाव लड़ा था अगर जयंत चौधरी गठबंधन से अलग हो गए तो अखिलेश के सामने मुश्किलें बढ़ेंगी।

# फील्ड में जाएं कैबिनेट मंत्री जनता से मिले : सीएम योगी

## » रिक्त पदों को भरने का काम तेजी से करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिक्त पदों को भरने का काम तेजी से और समयबद्ध ढंग से बढ़ाने का निर्देश दिया है। उन्होंने चयन वर्ष 2002-23 की सीधी भर्ती से संबंधित पदों का भर्ती प्रस्ताव (अधियाचन) 31 मई से पहले भेजने का निर्देश दिया है। इससे यूपी लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती की कार्यवाही शुरू कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने ये निर्देश विभागों के प्रस्तुतिकरण के दौरान दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी विभागीय रिक्तियों को तेजी से भरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने रिक्त पदों पर चयन के लिए समयबद्ध ढंग से भर्ती प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था का निर्देश दिया।

कहा, इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के साथ ही सेवायोजित युवाओं के प्रशिक्षण पर भी प्रभावी कार्यवाही को कहा है।

### हर जिले के विकास के लिए बनेगा मॉडल डिस्ट्रिक्ट प्लान

प्रदेश के समग्र विकास के लिए सरकार ने नई योजना तैयार की है। इसके तहत हर जिले के लिए मॉडल डिस्ट्रिक्ट प्लान तैयार किया जाएगा। इसे तैयार करने से पहले हर जिले की समस्याओं का बारीकी से अध्ययन कराया जाएगा। शासन स्तर पर मंथन के बाद प्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए कैबिनेट मंत्रियों को फील्ड में जाने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट मंत्रियों की अध्यक्षता में 18 मंडलों के लिए 18 टीमें गठित कर 18 सप्ताह का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। ये टीमें हर मंडल में 72 घंटे का प्रवास करेंगी। टीमें मंडल के अलग-अलग जिलों का भ्रमण कर लोगों से मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने फील्ड में तैनात अधिकारियों को अनावश्यक मुख्यालय न बुलाया जाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि कैबिनेट मंत्री फील्ड पर जाएं। उन्होंने कहा कि फील्ड के अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से संवाद बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले की अपनी-अपनी समस्या है, जिसके लिए यह जरूरी है कि उन समस्याओं का निराकरण स्थानीय आधार पर बनाए गए प्लान के तहत हो। इससे प्रदेश के समग्र विकास की नई इबारत लिखी जा सकेगी। प्रस्तुतिकरण के बाद मंत्रिमंडल के सदस्यों ने अपने सुझाव भी दिए। मुख्यमंत्री ने सचिवालय के भवनों में स्वच्छता और साफ.-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा है। उन्होंने सचिवालय भवनों में पान-मसाला व गुटखा आदि वस्तुओं को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है। इसी तरह सचिवालय भवनों में बिना वैध प्रवेश पत्र के किसी को भी प्रवेश न दिए जाने का निर्देश दिया है। कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि दलाल प्रकृति के व्यक्ति सचिवालय में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने समय से पत्रावलियों के निस्तारण पर जोर देते हुए फिर दुहराया कि पटल पर कोई भी पत्रावली 3 दिन से अधिक लंबित नहीं रहनी चाहिए।

# ब्रजेश पाठक बोले अस्पतालों से असंतुष्ट होकर न जाएं मरीज

## » सीएचसी-पीएचसी से बेवजह मरीज न करें रेफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। अस्पतालों में डॉक्टर समय से आकर ओपीडी में मरीजों का इलाज करें। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था रखी जाए। अस्पतालों से मरीज असंतुष्ट होकर न जाएं। यह निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिए। वह लखनऊ से वीसी के जरिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, अस्पतालों के जिम्मेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ओपीडी में मरीजों को देर तक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए ओपीडी काउंटर की संख्या बढ़ाएं, जिस स्पेशियलिटी में मरीजों की संख्या अधिक हो रही है, वहां दो-दो ओपीडी संचालित की जाएं।

सामान्य बुखार, खांसी-जुकाम के मरीजों के इलाज के लिए एमबीबीएस डाक्टरों को भी ओपीडी में बैठाएं। ओपीडी, इनडोर और पैथालाजी में मरीजों के बैठने की व्यवस्था की जाए। एक्सरे और अल्ट्रासाउंड जांच के लिए डॉक्टर समय से अस्पताल पहुंचे, ताकि मरीजों को इंतजार न करना पड़े। पाठक ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) से मरीजों को बेवजह न रेफर किया जाए। उन्हें वहां भर्ती कर इलाज किया जाए। अगर सिर्फ जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती की भर्ती दिखी तो कार्रवाई भी की जाएगी। इन सेंटरों पर सामान्य मरीजों को भी भर्ती कर इलाज किया जाए। अगर रेफर करने की स्थिति बने तो सरकारी एंबुलेंस से ही भेजा जाए। अगर कोई मरीज निजी एंबुलेंस या अपने साधन से जिला अस्पताल या मेडिकल कालेज जाता है तो केंद्र प्रभारी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

### कोविड अस्पताल की करें तैयारी

**उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि कोरोना के केस फिर बढ़ने लगे हैं। इसलिए पहले की भांति कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की जांच कराएं। कांट्रेक्ट ट्रेसिंग और कोरोना की जांच की संख्या भी बढ़ाई जाए। हर जिले में कोरोना का एक अस्पताल बनाया जाए। अस्पतालों में लगे ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट, वेंटिलेटर एवं ऑक्सीजन पाइप लाइन अभी से दुरुस्त करा ली जाए।**

# आरएसएस के इशारे पर ही मुसलमानों पर जुल्म : बर्क

## » बिजली चेकिंग के नाम पर मुसलमानों का हो रहा उत्पीड़न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

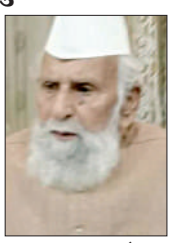

लखनऊ। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क आरएसएस और भाजपा पर हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के इशारे पर ही मुसलमानों पर जुल्म किए जा रहे हैं। बिना नोटिस दिए ही बुलडोजर चलाया जा रहा है। संभल में बिजली चेकिंग के नाम पर मुसलमानों का उत्पीड़न हो रहा है। शहर के एक धर्म स्थल पर अगर किसी ने कुछ नया करने का प्रयास किया तो हजारों मुसलमान अपना खून बहा देंगे। अपने आवास पर सांसद ने सपा के पांच सदस्यों के साथ जहांगीरपुरी जाने का ऐलान भी किया। उन्होंने कहा जहांगीरपुरी में बुलडोजर से लोगों को निशाना बनाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दरकिनार कर असंवैधानिक रूप से बिना नोटिस दिए मस्जिद के गेट को तोड़ दिया गया और गरीबों की दुकानों व कारोबार को तहस नहस कर दिया। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। रमजान माह में बुलडोजर का प्रयोग करके अल्पसंख्यक वर्ग में दहशत पैदा करने के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व दिल्ली में साम्प्रदायिक ताकतों को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है।

# कोरोना से मृत्यु पर अनुग्रह राशि भुगतान के लिए आरटीपीसीआर रिपोर्ट जरूरी नहीं : हाईकोर्ट

## » परिजनों को अनुग्रह राशि का भुगतान करने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि कोरोना से मृत्यु पर अनुग्रह राशि भुगतान के लिए एंटीजन या आरटीपीसीआर रिपोर्ट जरूरी नहीं है। कोई भी व्यक्ति जिसकी मौत हो गई और उसमें कोरोना के लक्षण मौजूद रहे हैं तो उसके परिजनों को एक जून 2021 के शासनादेश के तहत अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला और न्यायमूर्ति विकास बुद्धवार ने सहारनपुर की मिथिलेश की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है।

मामले में याची के अधिवक्ता कमल कुमार केसरवानी की ओर से तर्क दिया गया कि याची के पति मेघनाथ प्राथमिक विद्यालय देहरी ब्लॉक रामपुर मनिहारी जिला सहारनपुर मे प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे। पंचायत चुनाव 2021 में उन्हें पीठासीन अधिकारी बनाया गया था। दिनांक 14 एवं 15 अप्रैल 2021 को चुनाव ड्युटी सम्पन्न कराने के दौरान वह कोरोना से संक्रमित हो गए। उनका इलाज जिला चिकित्सालय सहारनपुर में हुआ था लेकिन उनकी एंटीजन और आरटीपीसीआर रिपोर्ट वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थी। हालांकि अन्य सभी रिपोर्ट में कोरोना के लक्षण पाए गए थे। लेकिन सरकार द्वारा अनुग्रह राशि का भुगतान करने से मना कर दिया गया था। डीएम की ओर से कहा गया कि याची के पति की एंटीजन या आरटीपीसीआर रिपोर्ट वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है।

## बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

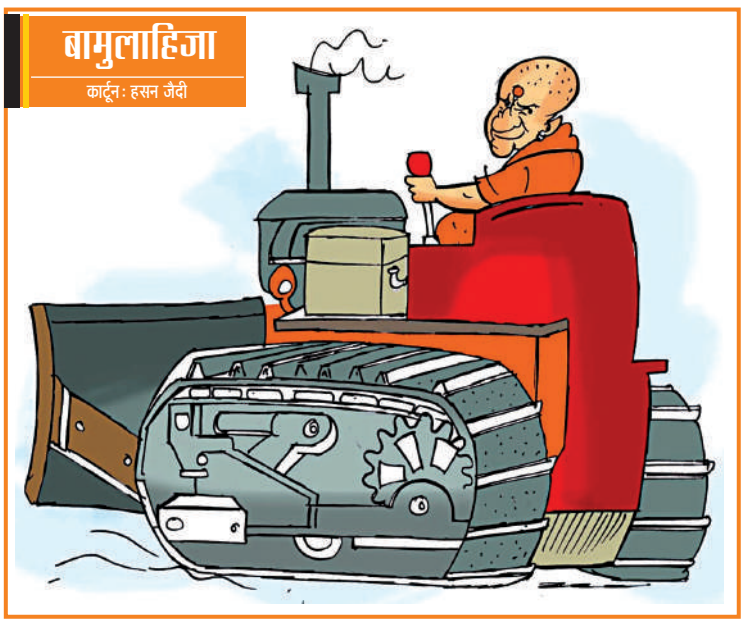

# सीएम धामी के क्षेत्र में योगी का बुलडोजर खटीमा के ग्रामीणों में खौफ

## उत्तराखंड में भी बुलडोजर को लेकर दिख रही खासी हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**देहरादून। उत्तर प्रदेश में चुनावी मुद्दे के तौर पर गूंजने के बाद एक बार फिर बुलडोजर सुर्खियों में है, तो उत्तराखंड में भी बुलडोजर को लेकर खासी हलचल दिख रही है। सितारगंज में हालिया ताबड़तोड़ एक्शन के बाद अब उधमसिंह नगर जिले के खटीमा क्षेत्र में कई ग्रामीणों को डर सता रहा है। वह भी उत्तराखंड सरकार नहीं, बल्कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार के बुलडोजर का इसलिए इन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की है कि वह योगी से बात करें।**

इधर सीएम धामी ने देहरादून में सरकारी एक्शन का बचाव करते हुए कहा कि उनकी सरकार कहीं भी जबरन बुलडोजर नहीं चला रही है। हमने अब तक हरिद्वार, उधमसिंह नगर और हल्द्वानी में बुलडोजर का इस्तेमाल किया है, वह भी गैर कानूनी अतिक्रमण को हटाने के लिए.

ऐसा गैर कानूनी कुछ होगा तो बुलडोजर भी चलेगा। धामी के इस बयान के साथ ही उनके विधानसभा क्षेत्र रहे खटीमा में खौफ का मामला भी सुर्खियों में है। दरअसल, खटीमा के एक दर्जन गांवों को उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से एक नोटिस मिला है, जिसमें जल्द अपने मकान और फसल समेटकर जगह खाली करने की चेतावनी है। नोटिस की मानें तो शारदा बांध के किनारे के ग्रामीण इस नोटिस से सांसत में आ गए हैं। इन गरीब लोगों को डर है कि जमीन खाली करवाने के लिए योगी सरकार का बुलडोजर न आ जाए।

# उत्तराखंड में चंपावत सीट को बचाए रखना भाजपा के लिए कड़ी चुनौती!

» चंपावत सीट से उपचुनाव लड़ने की तैयारी में सीएम धामी

» गहतोड़ी ने छोड़ी सीट, विधान सभा अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में चंपावत सीट पर उपचुनाव में भाजपा को कड़ी चुनौती मिलेगी। कांग्रेस ने इसके लिए पूरा प्लान बना लिया है। वहीं चंपावत सीट से सीएम धामी उपचुनाव लड़ने की तैयारी में है। फिलहाल बीते दिनों हुए उत्तराखंड विधान सभा चुनाव में भाजपा विधायक गहतोड़ी ने कांग्रेस प्रत्याशी को करारी मात दी थी। बावजूद इसके कांग्रेस यह सीट जीतने के लिए जी जान से जुट गई हैं। उपचुनाव की घोषणा अभी नहीं हुई है।

मगर कांग्रेस और भाजपा में इसे लेकर रणनीति बननी शुरू हो गई है। इससे पहले चंपावत विधान सभा सीट पर भाजपा विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी ने विधानसभा अध्यक्ष रितु भूषण खंडूड़ी को विधानसभा की सदस्यता से अपना त्यागपत्र सौंप दिया। संगठन के स्तर पर विचार-विमर्श के बाद इस विषय पर निर्णय हुआ था। गहतोड़ी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक को सीट खाली करने का प्रस्ताव सौंपा था। चंपावत विधान सभा सीट से भाजपा विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी ने विधानसभा अध्यक्ष के यमुना कॉलोनी स्थित सरकारी आवास पर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया है। ऐसे में कभी भी उपचुनाव की घोषणा हो सकती है। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, संगठन महामंत्री अजय कुमार, विधायक खजान दास, मेयर सुनील उनियाल मौजूद रहे। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष ने प्रेस को संबोधित करते हुए कैलाश चंद्र गहतोड़ी के इस्तीफे को स्वीकार करने की घोषणा की। विधान सभा चुनाव में भाजपा 47 सीट जीतकर सत्ता पर तो काबिज हो गई, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा विस सीट से चुनाव हार गए। पार्टी ने धामी के नेतृत्व पर भरोसा किया और उन्हें सत्ता की कमान सौंपी। सूत्रों का कहना है कि विधान सभा चुनाव में पार्टी की जीत और चुनाव के दौरान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भितरघात की शिकायतों की समीक्षा पार्टी कर रही हैं। साथ ही चुनाव में हारी गई 23 विधानसभा सीटों की समीक्षा रिपोर्ट भी बना ली गई थी, जिसे अनुशासन समिति के सुपुर्द कर दिया गया है। जल्द ही रिपोर्ट पर मंथन होगा।

## पहले ही सीट छोड़ने का ऐलान कर चुके थे गहतोड़ी

सीएम धामी को छह महीने में निर्वाचित होकर विधान सभा में जाना है। इसके लिए उन्हें उपचुनाव लड़ना है। कैलाश गहतोड़ी काफी पहले ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए सीट खाली करने का ऐलान कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने भी उनकी सीट से उपचुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। कुछ दिन पूर्व नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद उनके चंपावत से उपचुनाव लड़ने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया था। गहतोड़ी ने भी देहरादून पहुंचकर इस संबंध में औपचारिक घोषणा करने के संकेत दिए थे। गहतोड़ी देहरादून पहुंचे और मुख्यमंत्री धामी और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक से मुलाकात की थी।

## पांच चुनाव में तीन बार जीती भाजपा

राज्य गठन के बाद अब तक हुए पांच विधान सभा चुनावों में भाजपा को चंपावत विधान सभा सीट पर तीन बार जीत मिली है। पिछले दो विधानसभा चुनावों से चंपावत सीट पर भगवा बुलंद है। 2017 में भाजपा ने कैलाश गहतोड़ी को मैदान में उतारा था, जिन्होंने 63 फीसदी से अधिक वोट लेकर शानदार जीत दर्ज की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी गहतोड़ी विजयी रहे। राज्य बनने के बाद 2002 में सबसे पहले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के हिमेश खर्कवाल इस सीट से चुनाव जीते। तब इस सीट भाजपा तीसरे स्थान पर रही थी। 2007 में इस सीट से भाजपा की बीना महाराना चुनाव जीतीं। 2012 में कांग्रेस के हिमेश खर्कवाल ने फिर वापसी की। 2017 और 2022 के चुनाव में भाजपा के कैलाश गहतोड़ी विजयी रहे।

## आसान नहीं है चंपावत उपचुनाव में कांग्रेस की राह

कांग्रेस के लिए उपचुनाव जीतना बड़ी चुनौती है क्योंकि विधान सभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद पार्टी और संगठन में हुए बदलाव के बाद जैसे हालात उपजे हैं, उसका तोड़ सगठन को निकालना होगा लेकिन पहले से ही कमजोर और अंतरद्वंद्वों से जूझ रही कांग्रेस के लिए चुनौतियां पहाड़ की तरह खड़ी हैं। चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी और संगठन में बदलाव किया लेकिन हार को लेकर जिन बातों को कारण बताया गया उसको लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल काफी आहत नजर आए। उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हार की पूरी जिम्मेदारी पार्टी में गुटबाजी और सिर्फ प्रदेश के नेताओं पर फोड़ना पूरी तरह गलत है। संगठन और पार्टी में बदलाव को लेकर भी पार्टी के कई विधायक खासे नाराज हैं। ऐसे में उपचुनाव के लिए सबको एकजुट करने की बड़ी चुनौती होगी।

# यूपी की सियासत में नया गुल खिलाएगा शिवपाल का आजम प्रेम!

**क्या साथ मिलकर करेंगे कोई गेम, आजम खां से मुलाकात की प्रसपा प्रमुख ने**

» नया मोर्चा बना सकते हैं शिवपाल, भाजपा में भी जाने की अटकलें तेज

» अभी तक प्रसपा प्रमुख ने नहीं खोले पत्ते, अखिलेश पर भी किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा कुनबे में एक बार फिर रार तेज हो गयी है। भतीजे अखिलेश से नाराज प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव का अब आजम प्रेम सुर्खियों में आ गया है। उन्होंने आज आजम खां से सीतापुर जेल में मुलाकात की। इससे सियासी गलियारों में अटकलों के बाजार गर्म हो गया है। अटकलें हैं कि प्रसपा प्रमुख आजम खां से मिलकर नया मोर्चा बना सकते हैं। वहीं उनके भाजपा में जाने की चर्चा भी तेज हो गयी है।**

समाजवादी पार्टी में आजकल सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अखिलेश यादव से एक तरफ आजम खां सहित कई मुस्लिम नेता नाराज चल रहे हैं तो दूसरी ओर चाचा शिवपाल सिंह यादव से भी सियासी रार छिड़ी है। शिवपाल सिंह यादव और आजम खां की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। इसके पहले प्रसपा प्रमुख ने कहा था सीएम योगी से मुलाकात को लेकर कहा था कि राजनीति में शिष्टाचार भेंट होती रहती हैं। बुधवार को उन्होंने कहा था कि हम बहुत जल्दी आजम खां से भेंट करेंगे। वैसे तो उनका परिवार लगातार हमारे संपर्क में है और शीघ्र ही हम भी कोशिश करेंगे कि आजम भाई से मुलाकात करेंगे। अचानक शिवपाल के इस भाई प्रेम को लेकर सियासी जानकारों का एक धड़ा मानने लगा है कि शिवपाल या तो भाजपा में शामिल होंगे या आजम जैसे नाराज नेताओं के साथ मिलकर कोई नया मोर्चा बना सकते हैं। शिवपाल ने कहा कि इलेक्शन से पहले मैं गया था। जेल में उनसे मुलाकात की थी। उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं है। उनके साथ जो उत्पीड़न हो रहा है, एक राजनीतिक व्यक्ति, इतने बड़े लीडर के साथ ऐसा होना अच्छा नहीं है। राजनीति में ऐसा नहीं होना चाहिए। बदले की भावना से कभी काम नहीं करना चाहिए। उधर, शिवपाल के भाजपा में जाने की अटकलें तेज हैं लेकिन भगवा पार्टी में उनकी इंट्री को लेकर संशय कम नहीं है। सीएम योगी से मुलाकात के बाद तेज हुई अटकलों को खारिज करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तक उनके लिए भाजपा में नो वैकेंसी बता चुके हैं। केशव मौर्य ने एक बार फिर कहा कि अलग-अलग पार्टियों के नेताओं की मुलाकात सामान्य बात है। इससे किसी के पार्टी में शामिल होने का मतलब निकालना गलत है जबकि शिवपाल भाजपा में इंट्री को लेकर पूछे गए सवालों पर यह कहते हुए हर बार सस्पेंस बढ़ा देते हैं कि उचित समय पर फैसला लेंगे। राजनीतिक जानकारों का एक धड़ा मानता है कि शिवपाल सपा से अलग होकर कोई नया मोर्चा बना सकते हैं। इस मोर्चे के झंडे तले वह आजम खां जैसे नाराज चल रहे नेताओं को एकजुट करने की कोशिश कर सकते हैं। आजम से मुलाकात के पीछे निकट भविष्य को लेकर उनकी नई रणनीति भी हो सकती है।

## जयंत मिले आजम के परिवार से

पिछले दिनों जयंत चौधरी ने आजम खां के परिवार से मुलाकात की। इस पर लोग अनुमान लगाने लगे कि शायद अखिलेश यादव ने आजम को मनाने के लिए जयंत चौधरी को भेजा हो लेकिन थोड़ी देर बाद अखिलेश ने साफ कर दिया कि उन्होंने जयंत को नहीं भेजा। हालांकि अखिलेश के इस इनकार के बावजूद माना जा रहा है कि जयंत और आजम खां के परिवार के बीच सपा से बिगड़ते रिश्तों को लेकर बात तो हुई होगी। हो सकता है कि सपा गठबंधन में शामिल जयंत ने अंदरखाने अखिलेश के दूत की भूमिका भी निभाई हो लेकिन फिलहाल अखिलेश ने सार्वजनिक तौर पर आजम खां की नाराजगी को लेकर अपना कोई रुख स्पष्ट नहीं किया है।

## चाचा-भतीजे में जंग तेज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के विधायक और चाचा शिवपाल सिंह यादव के बीच जारी जंग फिर सार्वजनिक हो गई है। अखिलेश यादव ने शिवपाल सिंह यादव पर आरोप लगाया था कि वह भाजपा के संपर्क में हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आरोप पर शिवपाल सिंह यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर उनको लगता है कि भाजपा से मेरे संपर्क हैं तो मुझे विधानमंडल दल से निकाल क्यों नहीं देते हैं। मैं सपा के 111 विधायकों में से एक हूं। उनको तो मुझे पार्टी से निकालने का अधिकार है। अगर उनको हमसे कोई भी दिक्कत है तो हमको पार्टी से बाहर कर दें।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# जलवायु परिवर्तन और फसलों पर मंडराता खतरा

*जलवायु परिवर्तन अब चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। इसका असर फसलों पर दिखने लगा है। बेवक्त की गर्मी ने एक ओर गेहूं की फसल पर विपरीत असर डाला है तो दूसरी ओर फलों की मिठास भी कम कर दी है। फूलों की खेती भी इसकी चपेट में आ चुकी है। यदि यही हाल रहा तो आने वाले वर्षों में खाद्यान्न की कमी देश की अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित करेगी। साथ ही कुपोषण पर नियंत्रण की कोशिशों को भी झटका लगेगा। सवाल यह है कि जलवायु में तेजी से उतार-चढ़ाव क्यों हो रहा है? क्या तापमान में लगातार हो रही वृद्धि फसल चक्र को चौपट कर देगी? क्या समस्या के समाधान के लिए त्वरित और दीर्घकालीन रणनीति बनाने की जरूरत है? क्या फसलों के पोषक तत्वों पर भी जलवायु परिवर्तन का असर पड़ रहा है? क्या खाद्यान्न की कमी कुपोषण से निपटने में बाधक नहीं होगी?*

*विकास की अंधाधुंध दौड़ धरती के तापमान को लगातार बढ़ा रही है। ग्रीन हाउस गैसों के वातावरण में पहुंचने से धरती के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। 2050 तक इसके 0.80 से 3.16 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की उम्मीद है। जलवायु परिवर्तन का असर अब साफ तौर पर दिखने लगा है। इंडियन ग्रेन मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक बेवक्त की गर्मी के कारण गेहूं का दाना छह फीसदी तक सिकुड़ गया है। इसके कारण कुल फसल उत्पादन में 10 से 12 फीसदी की कमी होगी। वहीं पोषक तत्वों में भी गिरावट आएगी। पंजाब-हरियाणा और मध्य प्रदेश समेत अधिकांश गेहूं उत्पादक राज्यों में यह समस्या दिख रही है। इसके अलावा गर्मी के कारण गेहूं की खड़ी फसलों में आग लगने की घटनाएं तेजी से घट रही हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में सैकड़ों एकड़ गेहूं की फसल नष्ट हो चुकी है। काजू की फसल चौपट हो गयी है और देश के कुल सेब उत्पादन का 80 फीसदी उगानेवाले कश्मीर में इस बार 20 से 30 प्रतिशत कम उत्पादन होने की आशंका है। फूलों की खेती पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कृषि पर प्रभावों को कम करने के लिए सरकार को मोटे अनाज मसलन रागी, बाजरा और जई जैसी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। खाद्य पदार्थों की कमी को रोकने के लिए तापमान वृद्धि पर नियंत्रण लगाना होगा। इसके लिए स्थानीय के साथ वैश्विक स्तर पर काम करना होगा। भारत जैसे देश में यह बेहद जरूरी है क्योंकि यहां कुपोषण बड़ी समस्या है और भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार खेती-किसानी है। लिहाजा सरकार को इस समस्या के निदान के लिए त्वरित कदम उठाने होंगे।*

**“ जलवायु परिवर्तन अब चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। इसका असर फसलों पर दिखने लगा है। बेवक्त की गर्मी ने एक ओर गेहूं की फसल पर विपरीत असर डाला है तो दूसरी ओर फलों की मिठास भी कम कर दी है। फूलों की खेती भी इसकी चपेट में आ चुकी है। यदि यही हाल रहा तो आने वाले वर्षों में खाद्यान्न की कमी देश की अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित करेगी।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# वामदलों की साख बहाली की चुनौती

कृष्ण प्रताप सिंह

उदारवादी माने जाने वाले सीताराम येचुरी वामपंथी दलों के मोर्चे की सबसे बड़ी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की तेईसवीं पार्टी कांग्रेस में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए महासचिव चुन लिए गए हैं। लिहाजा वामदलों की सही-गलत रीति-नीति और बढ़ते-घटते प्रभावों से जुड़े वे सारे प्रश्न एक बार फिर पूछे जाने लगें जो पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा जैसे उनके गढ़ों के ढहने और येचुरी के पहली बार महासचिव बनने से पहले से पूछे जाते रहे हैं। इन प्रश्नों में सबसे बड़ा तो यही है कि चुनाव नतीजों के लिहाज से वामपंथी दल लगातार पराभव की ओर क्यों जा रहे हैं? और क्यों केरल के गत विधान सभा चुनाव में उनके मोर्चे की सत्ता में वापसी के बावजूद उनके विरोधी कह रहे हैं कि आगे चलकर वे विलोपीकरण के शिकार हो जायेंगे या सिर्फ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसी जगहों पर पाये जाएंगे?

इससे भी बड़ा सवाल यह है कि देश के हिंदी प्रदेश में वाम दलों की प्रतीकात्मक उपस्थिति भी क्यों मुश्किल हो चली है, जिसकी जमीन को वे एक समय अपने लिए बेहद अनुकूल और उर्वर मानते थे? क्यों यह उम्मीद भी नाउम्मीद होती चली आ रही है कि कौन जाने अपने गढ़ खो देने के बाद वे संभावनाओं के देशव्यापी विस्तार के लिए खुलकर खेलने का मन बनायें? येचुरी अपने पहले दो कार्यकालों में अपनी नरमलाइन के बावजूद वामपंथ के जनाधार में पहले से जारी छीजन को रोकने और इन प्रश्नों को संबोधित करने में जिस तरह नाकामयाब रहे हैं, उससे लगता नहीं कि उनके नये कार्यकाल में इनके सही उत्तर हासिल हो पायेंगे। वाम दलों के लिए इन सवालों के जवाब इसलिए भी कठिन हो चले हैं कि वे संसदीय कहें अथवा चुनावी राजनीति में उतरे तो उसे अपनी क्रांतिकामना के लिए इस्तेमाल करने के मंसूबे से थे, मगर समय के साथ खुद उसके हाथों इस्तेमाल होकर रह गये हैं। वे आजादी के बाद विकसित अपनी वह छवि भी नहीं बचा पाए हैं, जिसमें उन्हें न सिर्फ सत्तारूढ़ कांग्रेस बल्कि प्राय: सारी मध्यवर्गी पार्टियों का सबसे प्रतिबद्ध वैचारिक प्रतिपक्ष माना जाता था।

विडंबना यह है कि बाद के गतिहीन सत्ता संघर्षों में उक्त पार्टियों की राजनीति अपनी विचारधाराओं को लात लगाकर सारा तकिया जाति, धर्म, संप्रदाय और क्षेत्र आदि की विडंबनाओं पर रखने लगी तो वामपंथी दल उससे अलगाव का खतरा उठाने का साहस

नहीं प्रदर्शित कर पाये। तत्कालीन परिस्थितियों के नाम पर कभी इस तो कभी उस बड़ी पार्टी की पालकी के कहार की भूमिका में दिखने लगे। उन्होंने लगातार गलतियां कीं-आजादी के पहले से लेकर आजादी के बाद तक। मिसाल के लिए अविभाजित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के इस निर्देश पर अमल के बजाय कि उसे पूरी शक्ति से ब्रिटिश साम्राज्यवाद से लड़ना चाहिए, लगातार ब्रिटिश कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे पर चलती रही, जिसके फलस्वरूप स्वतंत्रता संघर्ष में अपनी भूमिका को तार्किक परिणति नहीं दे सकी। आजादी के बाद माकपा को ज्योति बसु के रूप में देश को पहला वामपंथी प्रधानमंत्री देने का अवसर हाथ लगा तो उसने साफ इनकार कर दिया। तब वामदलों के विरोधियों व शुभचिंतकों, दोनों को कहना पड़ा कि वामदलों की ट्रेन छूट गई है। वहीं जब उन्हें राजीव गांधी व मनमोहन सिंह प्रवर्तित नई आर्थिक नीतियों से लड़ना चाहिए था, उन्होंने अपनी सारी शक्ति उस सांप्रदायिकता से लड़ने में ही लगा दी जो जनविरोधी आर्थिक नीतियों का ही उत्पाद थी और इस अर्थनीति के साथ ही स्वत: खत्म हो जाती। संघर्षविमुख वाम दलों ने अपनी क्रांतिकामना को भी कर्मकांड बना डाला। फल यह है कि वामदलों में बिखराव बढ़ता जा रहा है। उन्हें पुनर्जीवन के लिए नये फार्मूलेशनों और रणनीतियों की बेहद सख्त जरूरत है। और सवाल फिर वही कि क्या येचुरी इस लिहाज से कोई भूमिका निभा पायेंगे? इसका एक जवाब यह भी है कि उनसे मध्यवर्गी पार्टियों के सुप्रीमो जैसी अपेक्षा नहीं ही की जानी चाहिए। सारे 'पराभव' के बावजूद वामदलों का सांगठनिक ढांचा अभी भी अपने नायकों को निरंकुश होने की इजाजत नहीं देता और जनवादी केन्द्रीयता में यकीन करता है। वहीं जो दलित व पिछड़े कभी वामदलों के आधार हुआ करते थे, इस आरोप तक आ पहुंचे हैं कि वामपंथी दलों ने वर्ग के चक्कर में वर्ण की हकीकतों को ठीक से नहीं समझा है। ऐसे में आगे देखने की बात यही होगी कि येचुरी अपने तीसरे कार्यकाल में विगत दो कार्यकालों को ही दोहराते रह जाते हैं या कोई नई जमीन तोड़ पाते हैं।

# नियुक्ति की आस में धरने पर शिक्षक अभ्यर्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ।** सरकार शिक्षा को लेकर जितना अलर्ट है उतना ही शिक्षक अभ्यर्थी सरकार से नाराज हैं। 6800 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का कहना है कि चयन सूची निकलने के बाद भी भर्ती नहीं हो रही है। आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर नियुक्ति नहीं कर रही है। 4पीएम के संवाददाता क्षितिज कान्त ने इस मुद्दे पर लोगों से बात की तो कई चीजें सामने निकलकर आई।

विधात्री मौर्य कहती हैं कि पांच जनवरी को 6800 शिक्षकों की चयन सूची निकाली गयी। उसके बाद यह कहा गया कि एक हफ्ते में काउंसलिंग हो जायेगी फिर अचार संहिता लगने के कारण नियुक्ति नहीं हो पाई। फिर कहा गया कि नई सरकार आएगी फिर नियुक्ति होगी। अब नई सरकार आ गयी है लेकिन नियुक्ति नहीं हुई।

वीर का कहना है कि यह हमारा दुर्भाग्य है कि धरना देना पड़ रहा है। हमें धरना-प्रदर्शन का कोई शौक नहीं है। सरकार के सारे मानकों को पूरा करने, मुख्यमंत्री के आदेशों का पालन करने और चयन सूची में नाम आने के बाद आज करीब चार महीने हो गए लेकिन नियुक्ति नहीं हुई। 25 दिन से हम धरने पर बैठे हैं। हमें विद्यालयों में होना चाहिए था लेकिन हम आज इस अघोषित जेल में हैं। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही, हमारा दोष सिर्फ इतना है कि हम पिछड़े समाज से आते हैं।

अमित गंगवार कहते हैं कि समस्या बस इतनी है की यह 2018 की भर्ती है। आज चार साल पूरे हो रहे हैं। आरक्षण की गड़बड़ी हुई, जिसके चलते हमें दो साल सड़क से सदन तक संघर्ष करना पड़ा। मुश्किल से मुख्यमंत्री के आदेश के बाद हम सभी की सूची जारी हुई है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। हमारा मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। ये सबका साथ और सबका विकास की बात करते हैं लेकिन जमीन पर हालात ऐसे नहीं दिख रहे हैं। यह धरना तब तक जारी रहेगा जब तक हमें नियुक्ति पत्र नहीं मिल जाता है।

विजय कुमार कहते हैं कि विधान सभा चुनाव से पहले हमें नियुक्ति पत्र दिया जाता है लेकिन नियुक्ति नहीं मिलती है। हमें बरगला कर वोट लेते हैं और जीतने के बाद हमें दोबारा से इस अघोषित जेल में डाल देते हैं। हमें नियुक्ति चाहिए लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमारी आवाज कोई मीडिया संस्थान भी पुरजोर तरीके से नहीं उठा रहा है। हकीकत यह है कि सबका साथ और सबका विकास सिर्फ हवा-हवाई वादा बनकर रह गया है। सिर्फ एक ढोंग बनकर रह गया है।

शिवमणि बताते हैं कि हमें आज जो भी संघर्ष करना पड़ रहा है उसमें हमारा कुसूर सिर्फ इतना है कि हम दलित और पिछड़े समाज से आते हैं। हम सरकार के सभी मानकों पर खरे उतरे हैं। इसके बावजूद हमें नियुक्ति नहीं मिली। हमारा धरना तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार हमें नियुक्ति नहीं दे देती है। हम अपने हक के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

निशा यादव का कहना है कि मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि वे हमें नियुक्ति पत्र दे दें। हमने सभी मानकों को पूरा किया है। यदि मेरा भविष्य नहीं बनेगा तो मैं अपने बच्चे का भविष्य कैसे बना पाऊंगी।

# ट्रिप पर जा रही हैं तो पहनें ये कपड़े मिलेगा स्टाइलिश लुक

**मार्केट में इन दिनों कॉटन और लिनेन जैसे फैब्रिक के काफी को-आर्ड सेट मिल जाएंगे। जो आपको परफेक्ट और स्टाइलिश लुक देंगे।**

गर्मियों के मौसम में हर कोई आरामदायक कपड़े पहनना चाहता है। लेकिन बात जब लड़कियों की आती है तो उन्हें आराम के साथ स्टाइल भी करनी होती है। क्योंकि ज्यादातर लड़कियां स्टाइल से समझौता नहीं करना चाहती। लेकिन बात जब ट्रेवेल की होती है। तो ये और भी जरूरी हो जाता है कि कपड़े आराम देने के साथ ही स्टाइलिश भी हो। क्योंकि हर खूबसूरत नजारों को कैमरे में कैद करना होता है। अगर आप भी इस गर्मी कहीं घूमने का प्लान कर रही हैं। तो इन कपड़ों को अपने बैग पैक में रखें। जिससे कि आराम के साथ ही स्टाइलिश लुक मिलें।

## को-आर्ड सेट

इन दिनो को-आर्ड सेट काफी ज्यादा चलन में है। ऊपर टॉप और पैट्स सेट में ये को-आर्ड सेट इन दिनों बीटाउन एक्ट्रेसेज को काफी पसंद आ रहे हैं। तो अगर आप ट्रिप पर जा रही हैं तो इस तरह के को-आर्ड सेट को अपने बैग में रखें। वैसे मार्केट में इन दिनों कॉटन और लिनेन जैसे फैब्रिक के काफी को-आर्ड सेट मिल जाएंगे। जो आपको परफेक्ट और स्टाइलिश लुक देंगे।

## क्रॉप टॉप

क्रॉप टॉप भी ट्रेवेल के लिए परफेक्ट होता है। इसे फ्लेयर या फिर ढीली-ढाली फिटिंग वाली पैट्स के साथ पेयर कर सकते हैं। ये स्टाइलिश लुक देने के साथ की आराम भी देंगे। साथ ही ये काफी ज्यादा ट्रेंडी भी लगेंगे। इस तरह के आउटफिट के साथ आप चाहें तो स्नीकर्स या फिर फ्लैट सैंडिल को पेयर कर सकती हैं।

## डेनिम स्कर्ट

वैसे अगर आप स्टाइलिश लुक चाहती हैं ट्रेवेल में तो डेनिम की स्कर्ट को भी बैग में रख सकती हैं। इसे किसी भी स्टाइलिश टॉप. टीशर्ट या फिर शर्ट के साथ मैच कर सकती हैं। स्कर्ट की लंबाई को आप अपने कंफर्ट के हिसाब से चुनें। ये काफी स्टाइलिश लुक देंगे।

## रोम्पर या जंपसूट

कहीं घूमने जा रहे हैं तो जंपसूट या रोम्पर को भी अपने बैग में रख सकती हैं। हालांकि जंपसूट रोड ट्रिप के लिए ठीक नही हैं। लेकिन किसी होटल से निकलकर घूमने जा रही हैं तो जंपसूट को डे आउटिंग के लिए चुन सकती हैं। ये काफी स्टाइलिश और कंफर्टेबल होते हैं। जंपसूट मार्केट में कई सारे फैब्रिक में मिल जाएंगे।

## कहानी | बंदरों का व्यापार

एक बिजनेसमैन ने गांव में सब लोगों से कहा मुझे बंदर खरीदने हैं। आप जो भी बंदर को पकड़कर लाएगा उसे मैं 100 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले बिना सोचे समझे इस काम में जुट जाते हैं। सभी लोग दो-दो बंदर पकड़कर लाते हैं। और वह बिजनेसमैन गांव वालों को 100 रुपए देता है। जिस दिन वह बिजनेसमैन आता है कि आप फिर से मुझे बंदर पकड़कर दो आपको 500 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले तीन-तीन बंदर पकड़कर लाते हैं। वह बिजनेसमैन सभी को 500 दे देता है। गांव वालों को उस बिजनेसमैन पर भरोसा हो जाता है। तीसरे दिन बिजनेसमैन कहता है कि आप और भी बंदर पकड़कर लेकर आओ आपको 2000 रुपए दूंगा। सभी गांव वाले मना कर देते हैं और कहते हैं कि गांव में बंदर खत्म हो चुके हैं तो अब हम काम नहीं कर सकते। वह बिजनेसमैन कहता है कि कोई बात नहीं। बिजनेसमैन का नौकर गांव वालों को बोलता है कि अगर आपको पैसे कमाने हैं तो आप मालिक से हजार रुपए का बंदर खरीदें और मालिक को ही दो हजार में बेच दीजिए। मालिक बहुत नीति वाला आदमी है वह आपको दो हजार रुपए जरूर देंगे। गांव वालों को उस बिजनेसमैन पर पूरा भरोसा था इसलिए वह हजार रुपए में बंदर खरीदते है। उस दिन के बाद न तो बिजनेसमैन आता है न तो नौकर। वह दोनों पूरे गांव वालों को चूना लगाकर शहर आ जाते है।

**निष्कर्ष: अगर आप इस कहानी के भावार्थ को समझ गए तो आप भविष्य में आने वाली बहुत से Fake Schem से बच सकते हो। यह बिजनेसमैन गांव वालों को इसमें चूना लगा पाया क्योंकि इसने पहले भरोसा जीता। यह आजकल की रणनीति होती है, पहले थोड़ा भरोसा लोगों का जीता जाता है फिर लोगों को लूटा जाता है। इसलिए सोच-समझकर निर्णय लीजिए।**

## 11 अंतर खोजें

## हंसना मना है

संता पुरानी एल्बम देखकर बोला- मम्मी ये फोटो में तुम्हारे साथ कौन है? मम्मी- ये तेरे पापा हैं। संता- तो हम इस गंजे के साथ क्यों रहते हैं? संता का जवाब सुनकर मम्मी बेहोश।

दिवाली के मौके पर गांव की एक लड़की घर से भाग गई और फिर दो दिनों के बाद लौट कर आ गई पिता ने गुस्से में पूछा- अब क्या लेने आई हो? लड़की- अपने हिस्से की मिठाई खाने।

पप्पू जिस जहाज में बैठा था वो अचानक डूबने लगा। फिर भी उसे इस बात का कोई फर्क ही नहीं पड़ा था। वह हंसता ही जा रहा था। दूसरा यात्री- ओए, हंस क्यों रहे हो? पप्पू- शुक्र है रिटर्न का टिकट नहीं खरीदा।

टीचर: कल क्यों नहीं आया? पप्पू: नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर: जल्दी बता, पप्पू: दिवाली पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर: इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू: आपकी बेटी ! (टीचर बेहोश )

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज आप अपने दिल की बात किसी के सामने रख सकते हैं। यदि अभी तक आप अकेले हैं तो इस कार्य के लिए यह दिन काफी अच्छा है इसलिए घबराइए नहीं और अपनी बात रखिए।

**वृषभ**

आपका आपके पार्टनर के साथ कोई विवाद हो सकता है। लेकिन आपको इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। यदि आप दोनों एक-दूसरे से बात करते हैं तो आपकी समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

**मिथुन**

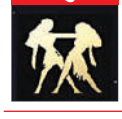

मिथुन राशि के उन लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है जो पिछले काफी समय से अपने पार्टनर की तलाश में हैं। आज आपकी तलाश पूरी होने वाली है। इसके साथ ही आपको अपने परिवार वालों का भी आपको साथ मिलेगा।

**कर्क**

इस राशि के जातक आज अपने पार्टनर के साथ काफी समय बिताएंगे। इस दौरान आप लोग आपस में ढेर सारी बातें करेंगे जिससे आपका राशि काफी मजबूत होगा और आप मानसिक रूप से खुशी का अनुभव करेंगे।

**सिंह**

इस राशि के लागों का आज का दिन रोमांस भरा रहेगा। आप अपने पार्टनर के साथ कहीं बाहर घूमने या डिनर पर भी जा सकते हैं। इससे आप दोनों का प्यार काफी बढ़ेगा और एक-दूसरे में विश्वास जगेगा।

**कन्या**

कन्या राशि के जातकों की आज उनके पार्टनर से मुलाकात होगी। इस दौरान आप घबराएं या शर्माएं नहीं और अपनी बातें खुलकर रखें। इससे आपके पार्टनर का आकर्षण आपकी ओर बढ़ेगा और आपमें प्यार के बीज पड़ेंगे।

**तुला**

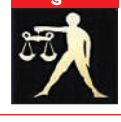

आज का दिन काफी रोमांचक है। आज आप अपने पार्टनर से मिलेंगे और उनसे ढेर सारी बातें होंगी। इसके अलावा आप लोग खुलकर एक-दूसरे के साथ कई सारी बातें कर सकते हैं जो आपके रिश्ते को मजबूती देगा।

**वृश्चिक**

आज पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है। लेकिन आप इससे परेशान ना हों और उनकी बात समझने का प्रयास करें। आप जबरदस्ती सामने वाले पर अपनी पसंद ना थोपें। आने वाले दिनों में आपके रिश्ते सामान्य हो जाएंगे।

**धनु**

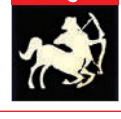

आज आपके रिश्ते में गर्मजोशी आएगी। आपका पार्टनर आपको तोहफा देकर रिश्ते में मिठास घोल सकता है। इसके अलावा आप भी उनके लिए कुछ तोहफे के रूप में दे सकते हैं।

**मकर**

मकर राशि के जातकों का उनके पार्टनर से रिश्ता खराब हो सकता है। आपको उनकी किसी बात पर बहुत क्रोध आ सकता है। लेकिन खुद को शांत रखने का प्रयास करें और उनके साथ कहीं घूमने जाएं।

**कुम्भ**

आज आपकी अपने पार्टनर से मुलाकात होगी। इस मुलाकात से आप दोनों को ही काफी खुशी मिलेगी। आप दोनों मिलकर अपनी पुरानी यादों को साझा करेंगे। इससे आपके रिश्ते में और गहराई आएगी।

**मीन**

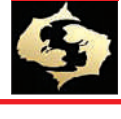

मीन राशि वालों को आज के दिन खुद पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। अगर आप अपनी ऑफिस में किसी को चाहते हैं तो आज के दिन उनसे बात के लिए ठीक नहीं। आपको थोड़ा इंतजार करने का जरूरत है।

### शाहरुख संग पहली बार काम करने पर तापसी पन्नू ने जताई खुशी, बोलीं

# 10 साल से कर रही थी इंतजार

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान ने थोड़ा ब्रेक लेने के बाद फिल्मों की शूटिंग शुरू कर दी है। 'पठान' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर ही रहे है। इसी बीच अपनी अगली फिल्म 'डंकी' का मजेदार अंदाज में ऐलान कर दिया है। राजकुमार हिरानी की इस फिल्म के टाइटल पर शाहरुख थोड़ा कंफ्यूज नजर आए। इस फिल्म की खास बात ये है कि राजकुमार हिरानी के निर्देशन में किंग खान पहली बार काम कर रहे हैं तो वहीं एक्ट्रेस तापसी पन्नू भी पहली बार साथ नजर आएंगी। तापसी की तो 10 बरस की मेहनत रंग लाई है। 'डंकी' फिल्म का ऐलान करते ही फैंस कहने लगे हैं किंग इज बैक। अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली फिल्म के बारे में बताने का अनोखा अंदाज भी फैंस को पसंद आ रहा। शाहरुख खान के साथ काम करने का सपना लगभग हर एक्ट्रेस देखती है। रोमांस के बादशाह के साथ फाइनली अब तापसी पन्नू फिल्म करने जा रही हैं। इस फिल्म में कास्ट किए जाने के बाद तापसी ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी का इजहार किया। तापसी पन्नू ने दो ट्वीट्स किए और अपने दिल की बात खोलकर जनता के सामने रख दी। तापसी ने अपने पहले ट्वीट में लिखा 'फाइनली ये हो रहा है। मैं शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बताते हुए बेहद खुश हूं। 22:12:23 को सिनेमाघरों में मिलते हैं'। अपने अगले ट्वीट में तापसी ने शाहरुख खान की फिल्म का डायलॉग दोहराते हुए लिखा 'यस.. यहां तक पहुंचना काफी मुश्किल था। बहुत मुश्किल होता है जब आपको खुद ही ये सब करना पड़े लेकिन एक सुपरस्टार ने एक बार कहा था 'अगर किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात तुम्हे उससे मिलाने में लग जाती है। लगभग 10 साल लग गए लेकिन फाइनली ऑल इज वेल'। तापसी पन्नू सिर्फ अच्छी एक्ट्रेस ही नहीं हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी हैं। उन्होंने अपने एक ही ट्वीट में शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी दोनों को साध लिया। अपनी खुशी जाहिर करते हुए शाहरुख की फिल्म 'ओम शांति ओम' का फेमस डायलॉग लिखा तो आखिर में हिरानी की फिल्म 'थ्री इडियट्स' का डायलॉग लिख दिया।

# अनन्या पांडे के किलर अवतार पर आया खान और शनाया का दिल

अनन्या पांडे, बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार किड्स में एक हैं। फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली अनन्या इंस्टाग्राम जबरदस्त फैन फॉलोइंग रखती हैं वह अक्सर अपने किलर और मदहोश कर देने वाली तस्वीरों से फैंस के ऊपर कहर बरपाती है। कुछ ऐसा ही एक बार फिर से उनके हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में देखने को मिल रहा है। जी हां! अदाकारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बिकिनी पहने अपनी दो तस्वीरे शेयर की। बता दें कि अनन्या की ये बिकिनी तस्वीरें उनकी थ्रो-बैक तस्वीरें हैं। इसका जिक्र अदाकारा ने अपने पोस्ट कैप्शन में किया है। उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'जब कंटिन्यूटी की तस्वीरें उतनी भी बुरी ना हों, गहराइयां के दिनों की थ्रोबैक तस्वीरें।

अनन्या के कैप्शन से साफ जाहिर है कि उनकी ये तस्वीरें 'गहराइयां' की शूटिंग के दौरान की है। फोटो में आप देख सकते हैं कि वह ब्लू बिकिनी पहने हुए अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। उन्होंने बिकिनी के ऊपर प्रिंटेड ऑरेंज कलर का श्रग डाला रखा है जो उनके लुक और भी किलर बना दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

# लॉकअप से बाहर हुए करणवीर शो पर लगाए गंभीर आरोप

छोटे पर्दे के मशहूर अभिनेता करणवीर बोहरा अभिनेत्री कंगना रनोट के रियलिटी शो लॉक अप से बाहर हो गए हैं। बुधवार को उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया था। करणवीर बोहरा लॉक अप से दूसरी बार बाहर हुए हैं। बीते दिनों भी उन्हें कंगना रनोट के शो से बाहर जाना पड़ा था। हालांकि कुछ समय बाद करणवीर बोहरा की बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री हुई थी।वहीं कंगना रनोट के शो से बाहर आने के बाद करणवीर बोहरा ने लॉक अप कई गंभीर आरोप लगा दिए हैं। एकता कपूर के निर्मित इस शो पर उन्होंने आरोप लगाया है कि इसमें महिलाओं के साथ हिंसा और गालियों का इस्तेमाल किया जाता है। इस बात को करणवीर बोहरा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है। करणवीर बोहरा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। इसके जरिए वह अपने फैंस से जुड़े रहते हैं।करणवीर बोहरा ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा इस शो से बाहर होकर काफी खुश हूं। यह देखकर कि शो कहां जा रहा है, महिलाओं पर हिंसा और अपमानजनक गाली-गलौज की भाषा मैंने इतना बुरा किया या कह सकते हैं कि मैं इतना बुरा हूं कि खुद को माफ नहीं कर पाता... लेकिन लॉक अप का शुक्रिया मुझे संवारने और एक बेहतर इंसान बनाने के लिए। सोशल मीडिया पर करणवीर बोहरा का यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेता के फैंस उनकी ट्वीट को पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले महीने कंगना रनोट ने करणवीर बोहरा को लॉक अप से बाहर कर दिया था। उनके साथ सायशा शिंदे भी शो से बाहर हो गई थीं। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने शो में दोबारा एंट्री की थी। खास बात यह है कि लॉक अप में कंगना रनोट वीकेंड के एपिसोड में शो से कंटेस्टेंट्स को बाहर करती हैं। इसके फैसला वोट और कंगना रनोट पर आधारित होता है, लेकिन हफ्ते में बीच में करणवीर बोहरा का शो से बाहर निकलना काफी हैरान कर देने वाला है।

# सिंगल लोगों के लिए ये जगह है बेस्ट, न चाहते हुए भी हो जाता है किसी से प्यार

छुट्टियां मनाना सभी को अच्छा लगता। लोग अपनी बिजी लाइफ से थक कर थो?ा सा ब्रेक लेने के लिए छुट्टियों पर चले जाते हैं। कुछ अपनी लाइफ के टेंशन से दूर ऐसी जगह जाना पसंद करते है, जहां उन्हें कोई नहीं जानता। पर अकेले छुट्टियां मनाने गए लोग एक पार्टनर को मिस करते हैं। लेकिन अनजान जगह होने कि वजह से उन्हें ऐसा कम्पेनियन कम ही मिल पाता है। पर हम आप को ऐसी जगहो के बारे में बताने जा रहे है, जहां छुट्टियां मनाते हुए लव अफेयर्स हो जाना काफी कॉमन है। इन देशों में आप अपनी छुट्टियों के दौरान बेहतरीन पार्टनर्स पा सकते हैं।

Loveit Coverit नाम की एक ओरगनाइजेशन ने एक सर्वे करवाया था। इस सर्वे में पता चला कि वो कौन से देश हैं, जहां लोगों के मुताबि? छुट्टियों में बेस्ट फ्रेंड मिल जाते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम स्कॉटलैंड का है। इसके बात इटली, फिर फ्रांस और उसके बाद यूके, स्पेन और अमेरिका का नंबर है। यानी इन देशों में अगर आप अकेले छुट्टियां मनाने गए हैं, तो आपको वहां एक रोमांटिक पार्टनर मिलने की संभावना होती है।

### स्कॉटलैंड आया अव्वल

Loveit Coverit के करवाए गए इस सर्वे में स्कॉटलैंड सबसे पहले नंबर पर था। लोगों ने बताया कि जिस तरह आप कहीं घूमने जाने के बाद वहां के खाने और कल्चर को एक्सप्लोर करते हैं। उसी तरह अकेले गए लोग को नए लोगों से मिलना और उनके साथ रोमांटिक रिलेशन के साथ छुट्टी एन्जॉय करते हैं। लोगों ने बताया कि लिस्ट में स्कॉटलैंड का नाम सबसे ऊपर आना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। यहां के लोग काफी चार्मिंग होते हैं। स्कॉटलैंड के लोगों को दूसरों को प्रभावित करना काफी अच्छे से आता है।

अजब-गजब | इस देश के लोगों की उम्र बनी पहेली

# यहां महीने भर में ही 2 साल के हो जाते हैं बच्चे!

दुनिया भर में कोरियन लोग अपनी खूबसूरती और यंग लुक्स की वजह से जाने जाते हैं। बता दें कि दूसरे लोग भी कोरियन लोगों की तरह ग्लॉस स्किन पाने के लिए तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। हालांकि यहां के लोगों की उम्र पहेली बनी हुई है। यहां के लोगों की उम्र चुटकियों में बढ़ जाती है। बच्चे के जन्म लेने के कुछ ही हफ्ते बाद उसकी उम्र 2 साल तक काउंट हो जाती है।

**दक्षिण कोरिया में उम्र की गणना का तरीका अलग**

कम लोग ही इस बारे में जानते हैं कि दक्षिण कोरिया में लोगों की उम्र तय करने का कोई एक तरीका है ही नहीं। यहां कई पुराने तरीकों से लोगों की उम्र की गणना की जाती है। जैसे हमारे देश में इंसान के पैदा होने के दिन और साल से उसकी उम्र निर्धारित की जाती है। वहीं दक्षिण कोरिया में इसका तरीका थोड़ा अलग है। यहां साल बदलने के साथ इंसान की उम्र बदल जाती है।

**पैदा होते ही सालभर का मानते हैं बच्चा**

दरअसल, दक्षिण कोरिया में उम्र की गणना करने का ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिसे अंतरराष्ट्रीय तौर पर मान्यता प्राप्त है। दक्षिण कोरिया में जब बच्चा पैदा होता है तो उसी वक्त

उसकी उम्र एक साल मानी जाती है। दक्षिण कोरिया में उम्र की गणना करने का यह सबसे प्रचलित तरीका है। ऐसे में अगर दक्षिण कोरिया में कोई बच्चा अगर दिसंबर में पैदा हुतो है तो जनवरी लगते ही वह 2 साल का मान लिया जाता है। वहीं 1 दिन के बच्चे की भी उम्र सालभर की मान ली जाती है।

**1 जनवरी को बढ़ जाती है उम्र**

यहां उम्र की गणना करने का एक और तरीका है। जब बच्चा पैदा होता है तो उसकी उम्र को पैदा होते ही जीरो माना जाता है और हर साल 1 जनवरी को उसकी उम्र बढ़ जाती है। इससे बच्चे के जन्म के महीने या तारीख से कोई लेना-देना नहीं होता।

रिपोर्ट के अनुसार, अब दक्षिण कोरिया में उम्र की गणना करने का आधिकारिक तरीका बनाया जाने वाला है। अगर ये लीगल हो गया तो यहां के लोग अचानक ही दस्तावेजों पर एक साल छोटे हो जाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति का कहना है कि इससे जहां भ्रम की स्थिति रहती है, वहीं सामाजिक और आर्थिक नुकसान भी होता है।

# समाज में नफरत का एजेंडा चला रही भाजपा : अखिलेश

» विपक्षी दलों के नेताओं का किया जा रहा उत्पीड़न

» सामाजिक सद्भाव के ताने-बाने को कर रही है नष्ट, लोकतंत्र को पहुंचाई जा रही गंभीर क्षति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा और आरएसएस नफरत फैलाने के जिस एजेंडे का प्रसार कर रहा है उससे लोकतंत्र, एकता तथा सद्भाव को गंभीर क्षति पहुंच रही है। गरीब और कमजोर जनता तथा विपक्षी दलों के नेताओं कार्यकर्ताओं पर भाजपा सरकार का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है। इस सबके पीछे उसका इरादा असल और बुनियादी मुद्दों से भटकाना और असहमति की आवाज को दबाना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस लोगों को धर्म के आधार पर भड़काते हैं। बहुसंख्यक समाज की भावनाओं के साथ खेलते है। बड़ी मुश्किल से भारत एक लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्ष, समाजवादी देश बन पाया है। संविधान में सबको एक समान नागरिक अधिकार दिए गए हैं लेकिन भाजपा इस सामाजिक तानाबाना को तोड़ने में लगी है। हिन्दू-मुस्लिम की गंगा-जमुनी तहजीब को भाजपा खंडित करने का प्रयास कर रही है। अपनी एकाधिकारी सत्ता के लिए लालायित भाजपा सरकार छलबल और सत्ता की ताकत से विपक्ष की विरोध और असहमति की आवाजों को दबाना चाहती है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर भी दबाव बनाया जा रहा है। भाजपाई आईटी सेल अफवाहें फैलाकर नफरत की चिंगारी को हवा देने का काम करती है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या के बीकापुर में पत्रकार पर लाठी डंडों से हमलाकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। मिर्जापुर में मिड-डे-मील का सच दिखाने पर जेल में डाल दिया गया। लखीमपुर खीरी के बहुचर्चित कांड में भी एक पत्रकार की मौत हुई थी। बलिया में पत्रकार की हाईस्कूल इन्टरबोर्ड की परीक्षा का एक प्रश्नपत्र लीक होने की खबर देने पर गिरफ्तारी की गई। भाजपा का यही चरित्र है कि वह अपने विरोधी को फूटी आंखों नहीं देखना चाहती है। भाजपा नेतृत्व में न तो लोकतंत्र की मान्यताओं के प्रति कोई सम्मान भाव है और नहीं उनमें संविधान के प्रति आस्था है। भाजपा आरएसएस का ही एजेंडा चलाना अपना धर्म समझती है। जनता देर तक चुप नहीं रहेगी।

# टूंडला स्टेशन पर मिला कारतूसों का जखीरा, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अमरोहा से मुजफ्फरपुर करते थे सप्लाई दो गिरफ्तार

आगरा,। टूंडला स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे दो युवकों के पास से जीआरपी को कारतूसों का जखीरा मिला है। इतनी बड़ी मात्रा में कारतूस मिलने पर पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। दोनों युवकों से पूछताछ जारी है।

गुरुवार देर रात टूंडला रेलवे स्टेशन पर बड़ी मात्रा में कारतूसों के साथ दो युवकों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। दोनों युवक सगे भाई हैं। अब तक की पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है कि कारतूस अमरोहा से मुजफ्फरपुर ले जाए जा रहे थे। जीआरपी जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर जीआरपी योगेंद्र यादव ने बताया कि ट्रेन का इंतजार कर रहे दो संदिग्ध युवक पकड़े गए हैं। इनके पास 700 कारतूस मिले हैं। पकड़े गए शादाब और फैजान दोनों सगे भाई हैं और लेबर कॉलोनी फिरोजाबाद में रहते हैं। अब तक की पूछताछ में दोनों ने बताया कि कारतूस अमरोहा जिले के कस्बा हसनपुर से लाकर बिहार के मुजफ्फरपुर में सप्लाई करते थे। बरामद कारतूस 315 और 32 बोर के हैं। कारतूस मुजफ्फरपुर में कहां बेचे जाने थे, इसका पता लगाया जा रहा है। किसी एक व्यक्ति को सप्लाई की जा रही थी या किसी गैंग को कारतूस दिए जाने थे, यह बात अभी साफ नहीं हो पाई है।

# यूपी में स्कूल बसों की फिटनेस जांच को चलेगा अभियान

» गाजियाबाद हादसे के बाद जारी किए गए निर्देश

» उच्च शिक्षा और माध्यमिक विद्यालयों में होगा रोड सेफ्टी क्लब का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजियाबाद स्कूल बस हादसे से नाराज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूल बसों की फिटनेस की जांच के लिए एक सप्ताह का प्रदेश व्यापी अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इसके तहत स्कूल बसों के लिए तय मानक के हर पहलू का परीक्षण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवहन विभाग के प्रस्तुतिकरण देखने के बाद कहा कि प्रदेश में सड़क दुर्घटना से मृत्यु की दर में कमी के लिए व्यापक पैमाने पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रदेश में उच्च शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के सभी विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया जाए। महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में है इसलिए बसों में पैनिक बटन की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। परिवहन विभाग ने पिछले पांच वर्षों में 26 हजार से अधिक गांवों को परिवहन निगम की बस सेवा से जोड़ा गया है। प्रयास करें कि हर वह गांव जहां बस सेवा संभव है, वहां परिवहन सुविधा का लाभ दिया जाए। गौरतलब है कि पिछले दिनों गाजियाबाद के स्कूल बस में सवार एक बच्चे की हादसे में मौत हो गयी थी।

# अयोध्या : नहर में कार गिरने से तीन की मौत, दो की हालत नाजुक

» बारात से लौटते वक्त हुआ हादसा, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। जनपद के पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के रंगोली के पास गुरुवार देर रात करीब बारात से लौटते वक्त एक कार नहर में गिर गई। हादसे में कार में सवार पांच लोगों में से तीन की मौत हो गई जबकि दो को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार में विजय पांडे, अतुल पांडे, रवि शर्मा, श्रवण पांडे और अरविंद कुमार सवार थे। ये सभी इसी थाना क्षेत्र में बारात में आए थे। बारात से लौट कर अपने घर जा रहे थे कि दर्शन नगर-गंगौली मार्ग पर बड़ी नहर में कार गिर गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों के सहयोग से सभी को निकाला,

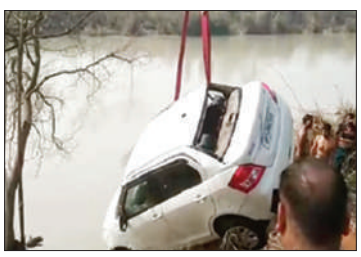

जिसमें विजय कुमार पांडे व अरविंद कुमार को बचा लिया गया जबकि अतुल पांडे, रवि शर्मा व श्रवण पांडे की मौत हो गयी। विजय पांडे व अरविंद कुमार पांडे का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर अधिकारी व एसडीआरएफ की टीम मौजूद रही। गाड़ी को नहर से बाहर निकला गया है। प्रभारी निरीक्षक पूरा कलंदर राजेश सिंह ने बताया कि घायल व मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

## अमरोहा में ट्रक ने चाची-भतीजे को कुचला

अमरोहा। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चाची-भतीजे को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा गुरुवार की रात अमरोहा कांठ रोड स्थित मिलक छावी स्थित पेट्रोल पंप के पास हुआ। देहात थाना क्षेत्र के सिरसा खुमार में मोहम्मद हनीफ का परिवार रहता है। मोहम्मद हनीफ पाकबड़ा में दर्जी है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा पांच बच्चे हैं। मोहम्मद हनीफ का छोटा भाई दिलशाद बस चलता है। वह गुरुवार को शादी की बुकिंग पर बस लेकर कांठ गया था। जहां उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। दिलशाद की तबीयत बिगड़ने की खबर मिलते ही मोहम्मद हनीफ का बेटा मोहम्मद हुसैन और उसकी चाची खातून जहां बाइक पर सवार होकर कांठ जा रहे थे। तभी ट्रक ने टक्कर मार दी। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया।

# सोशल मीडिया के प्रेशर से अक्षय ने मांगी माफी!

» 4PM की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में एक नयी सोच पैदा हुई है और वह है अपने नायकों को कठघरे में खड़ा करने की। अक्षय कुमार के करोड़ों लोग दीवाने हैं और उनमें अपना नायक तलाशते है। ऐसे में अक्षय कुमार को विमल पान मसाला का एड करते देख लोग निराश हुए और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना की, जिसके बाद अक्षय ने इस एड के लिए माफी मांगी। सवाल उठता हैं अक्षय ने तो माफी मांग ली मगर पान मसाले पर रोक क्यों नहीं लग रही? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, डॉ. राकेश पाठक, भोजपुरी अभिनेत्री गरिमा मौर्या, सिंगर उद्धव ओझा, डॉ. मनोज मिश्रा, प्रो. जितेंद्र मीना और 4PM पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

**परिचर्चा**
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रो. जितेंद्र मीना ने कहा पान मसाले का एड करना व्यावसायिक पहलू हैं। गुटखा का बड़ा मार्केट है। हजारों-करोड़ों लगे है। सरकार को बड़ा रेवेन्यू आता है। सरकार एक ओर तंबाकू के खिलाफ विज्ञापन प्रकाशित कराती तो दूसरी ओर राजस्व कमाती है। डॉ. राकेश पाठक ने कहा, सामाजिक सरोकारों के मुद्दे पर न तो हमारे खिलाड़ी खड़े होते हैं और न ही अभिनेता। जब नायक फंस जाता तो माफी मांग लेता है। गरिमा मौर्या ने कहा अक्षय ने एक इंटरव्यू में कहा था ऐसे ऐड नहीं करूंगा और आज वहीं कर रहे तो लोग ट्रोल करेंगे ही। ऐसे उत्पादों पर बैन लगाना चाहिए। उद्धव ओझा ने कहा, स्वास्थ्य के लिए जो हानिकारक है उस पर सरकार मुहिम चलाए तो असर दिखेगा। ऐसे विज्ञापन करने से समाज पर बुरा असर पड़ता है। डॉ. मनोज मिश्रा ने कहा, एक्टर यदि ऐसा करता है तो लोगों को बुरा लगता है। अशोक वानखेड़े ने कहा तंबाकू हानिकारक है तो सरकारें अनुमति क्यों देती है। यदि एक फिल्म के 50-60 करोड़ मिलते हैं और एक एड के पांच मिनट के 100 करोड़ तो एड करने में बुराई क्या। सोशल मीडिया का प्रेशर था इसलिए अक्षय कुमार ने माफी मांगी।

# हमीरपुर : पारिवारिक विवाद में राजमिस्त्री ने की खुदकुशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। जिले में पारिवारिक कलह के चलते राजमिस्त्री ने खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। खुदकुशी की वजह पारिवारिक विवाद को बताया जा रहा है।

» खुद को मारी गोली पुलिस कर रही जांच

मामला राठ कोतवाली क्षेत्र के चिल्ली गांव का है, जहां पत्नी से विवाद के बाद राजमिस्त्री ने अवैध बंदूक से गोली मार कर आत्महत्या कर ली। चिल्ली गांव निवासी भूपेंद्र ने बताया कि उनके 32 वर्षीय चचेरे भाई चरन सिंह को शराब पीने की लत थी। नशे में अक्सर उसका अपनी पत्नी प्रीति से विवाद होता था। गुरुवार को चरन ने घर में 12 बोर की अवैध बंदूक से खुद को गोली मार ली। कनपटी पर गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि विवाद होने पर चरन ने नशे में पत्नी के साथ बुरी तरह मारपीट की। सीओ अभय नारायण राय ने बताया कि युवक ने अवैध बंदूक से गोली मार कर आत्महत्या की है। आत्महत्या के कारणों व अवैध बंदूक की जांच की जा रही है।

# बृजेश पाठक का महमूदाबाद के अस्पताल में छापा डॉक्टरों की लग गई क्लास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक आज अचानक सीतापुर के दौरे पर निकले। वहां उन्होंने महमूदाबाद के एक सीएचसी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय रजिस्टर में अनियमितता पाए जाने पर डॉक्टरों की क्लास लगा दी।**

**अव्यवस्थाओं को लेकर जताई नाराजगी**

गायब मिले कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के संकेत दिए। ड्यूटी चार्ट मेंटेन करने के आदेश दिए। इसके अलावा पूरे अस्पताल का दौरा किया। खराब पड़ी एक्सरे मशीन को जल्द चालू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं के बारे में मेडिकल अफसरों से पूछताछ भी की निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी में लापरवाही मिलने पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही मरीजों से बातचीत की। कहा कोई असुविधा हो तो तत्काल हमें बताए। यूपी के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने इससे पहले लखनऊ के केजीएमयू व बाराबंकी अस्पताल में भी अचानक औचक निरीक्षण किए था। बिना प्रोटोकॉल पहुंचे अस्पतालों में मास्क पहने हुए मंत्री बृजेश पाठक, जिससे कि वहां के कर्मचारी तक नहीं पहचान पाए। बाराबंकी में बृजेश पाठक खुद पर्ची कटने वाले लाइन में लग व्यवस्था परखी। हालांकि कुछ देर बाद कर्मचारियों ने उन्हें पहचाना, उसके बाद व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुट गए।

# अधिकारी जनता की समस्याएं सुनें व उन्हें हल करें: असीम अरूण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने अफसरों से कहा कि वैश्विक संरचना के आधार पर सोच को विकसित करें व अपनी-अपनी विशेषज्ञता का क्षेत्र चुने। काम पूरा करने में समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारी इंटरनेट मीडिया व अन्य माध्यमों से जनसंपर्क में रहें, जनता की समस्याएं सुनें एवं उसका समय से समाधान भी करें।**

» समाज कल्याण मंत्री ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

मंत्री वीसी के जरिए कहा कि कार्यालय व आसपास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति पर गंभीरता से अमल किया जाए। विभाग की कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएं तथा बिचौलियों एवं दलालों से दूर रहें। प्रमुख सचिव समाज कल्याण हिमांशु कुमार ने कहा कि विभाग में किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर तत्काल उसकी सूचना निदेशालय को दी जाए। छात्रों की संवेदनशीलता को समझें और पूरी सजगता बरतें। छात्रों को कोरोना से बचाव के समुचित इंतजाम करें तथा पढ़ाई के दौरान अवसाद से ग्रस्त होने वाले छात्रों को चिह्नित करें।

# अजीत अंजुम को अनब्लॉक करो' ट्विटर पर टॉप ट्रेंडिंग

» चहेते पत्रकार के लिए समर्थकों ने चलाया हैशटैग कैंपेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। देश के जाने माने चर्चित पत्रकार अजीत अंजुम को ट्विटर ने ब्लॉक कर दिया। ट्विटर पर ब्लॉक होते ही उनके समर्थन में यूजर्स का जनसैलाब उमड़ा पड़ा या यू कहें कि अजीत अंजुम को अनब्लॉक करो' ट्विटर पर टॉप ट्रेंडिंग चल गया। हजारों समर्थकों ने पूछा कि आखिर ट्विटर ने सवाल उठाने वाले और सत्ता को आईना दिखाने वाले पत्रकार अजित अंजुम को ब्लॉक क्यों किया।**

समर्थकों ने हैशटैग कंपेन चलाकर इतना ट्वीट किया कि अजित अंजुम को अनब्लॉक करो' नम्बर एक पर ट्रेंड करने लगा। समर्थक अपने चेहते ईमानदार पत्रकार को ब्लॉक किए जाने से खासे नाराज है। वे लगातार ट्विटर पर उनके समर्थन में अनब्लॉक करने को ट्रेड कर रहे हैं। गौरतलब है कि अजीत अंजुम देश के वरिष्ठ पत्रकार है। वर्तमान में वे यूट्यूबर है, यूट्यूब चैनल चलाते हैं, जिनके दो मिलियन से ज्यादा सब्क्राइबर्स भी हैं। अंजुम को गोयनका अवार्ड भी मिल चुका हैं। न्यूज 24 और इंडिया टीवी में मैनेजिंग एडिटर के पद भी रह चुके हैं।

फोटो: 4पीएम

**पृथ्वी दिवस** पृथ्वी दिवस के मौके पर गोमती सफाई अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह। स्वतंत्र देव सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचकर गोमती सफाई में श्रम दान किया और कार्यक्रम के आए हुए बच्चों से बातचीत भी की।

# स्थानांतरण नीति के तहत तबादलों संग बदलेंगी कर्मचारियों की सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। प्रदेश की स्थानांतरण नीति के तहत इस सत्र में राज्य कर्मचारियों के तबादले तो होंगे ही, उनकी कुर्सियां भी बदलेंगी। मुख्यमंत्री योगी ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के लिए अगले 100 दिनों में प्रदेश में कार्मिकों के पटल परिवर्तन की प्रभावी व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया है। वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक के लिए राज्य की वार्षिक स्थानांतरण नीति अप्रैल के अंत तक जारी करने का निर्देश भी दिया है।**

» भ्रष्टाचार पर रोक के लिए सीएम की नई व्यवस्था

मंत्रिपरिषद के समक्ष नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग की कार्ययोजनाओं के प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया। शासन से लेकर फील्ड स्तर तक के सरकारी कार्यालयों में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे हुए हैं। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है, लाल फीताशाही भी पनपती है। इसलिए मुख्यमंत्री ने 100 दिनों में कार्मिकों के पटल परिवर्तन की व्यवस्था को लागू करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि चयन वर्ष 2022-23 में सीधी भर्ती के लिए सभी विभागों की ओर से अधियाचन (भर्ती प्रस्ताव) 31 मई से पहले भेज दिया जाए। ताकि उप्र लोक सेवा आयोग और उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर सकें। सरकार सभी विभागीय रिक्तियों को शीघ्रता से भरने के लिए प्रतिबद्ध है। रिक्त पदों पर समयबद्ध चयन की खातिर समय से अधियाचन भेजने के लिए आनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की जाए।

# उत्कृष्टता अवॉर्ड से सम्मानित डीएम कौशल राज

## प्रधानमंत्री ने स्वनिधि योजना में वाराणसी को दिया प्रथम पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 15वें सिविल सर्विस-डे पर हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी, मथुरा और सिद्धार्थनगर जिलों को अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य किए जाने को लेकर जिलों के डीएम को सम्मानित किया। पीएम मोदी ने जिलाधिकारियों को उत्कृष्टता अवॉर्ड से सम्मानित किया।**

प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में देशभर में अव्वल रहने पर वाराणसी के डीएम कौशल राज शर्मा को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने योजना में बेहतर प्रदर्शन करने पर जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा को प्रधानमंत्री अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन से सम्मानित किया है। पीएम स्वनिधि योजना में बनारस ने लक्ष्य के सापेक्ष 106 फीसदी सफलता प्राप्त की है। यह योजना ठेला पटरी दुकानदारों के लिए है। उन्हें दस हजार रुपए का लोन बिना किसी सिक्योरिटी के दिया जाता है। कौशल राज को इससे पहले भी चार राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। कौशल राज शर्मा वाराणसी में तैनाती के बाद से ही अपनी शानदार कार्यशैली को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बने रहते हैं। वाराणसी पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र भी है। इसलिए यहां के प्रशासन पर लोगों की खास नजर रहती है।

### वाराणसी में 32 हजार लोगों को मिल चुका है योजना का लाभ

प्रधानमंत्री स्वनिधि कार्यक्रम श्रेणी में वर्ष 2021 के लिए वाराणसी ने देश भर में प्रथम प्रधानमंत्री पुरस्कार हासिल किया है। प्रधानमंत्री अवार्ड वर्ष 2021 के लिए छह श्रेणी में घोषित किए गए हैं। ये एक अप्रैल 2018 से 31 दिसंबर 2021 के बीच किए गए उत्कृष्ट कार्यों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। इस वर्ष पहला मौका है जब वाराणसी को राष्ट्रीय स्तर का सम्मान हासिल हुआ है। पीएम स्वनिधि योजना से अब तक वाराणसी में लगभग 32 हजार लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।